International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

कामकाजी महिलाओं का बच्चों के साथ समायोजन

डॉ0 अस्मिता
गृह विज्ञान विभाग
बी.आर.ए.बी.यू., मुजफ्फरपुर

भूमिका :–

समायोजन की दृष्टिकोण से कामकाजी महिलाओं में आत्म–मूल्यांकन की क्षमता होती है। अर्थात् वे अपने गुण और दोषों को अच्छी तरह से जानती हैं और समय के अनुरूप अपना व्यवहार करती हैं। इसके उनके आगे का जीवन सुखद होता है और यही कारण है कि वे अपने परिवार और समाज के लोगों के साथ पारस्परिक संबंध को अधिक से अधिक संतोषजनक बनाए रखने में सफल होती हैं। किसी भी मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति के लिए आवश्यक है कि उसके जीवन का कोई निश्चित एवं सकारात्मक लक्ष्य होना चाहिए। मनोवैज्ञानिक सराको (1989) ने भी इस बात की पुष्टि की है कि अस्पष्ट तथा नकारात्मक जीवन लक्ष्य ही मुख्य रूप से मानसिक अस्वस्थता की पहचान है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषता होती है कि उनका एक निश्चित जीवन–दर्शन होता है और उसी के अनुसार उनका कार्य भी होता है। जिससे उनमें तनाव, चिंता, वैर भाव आदि मनोग्रंथियाँ नहीं होती हैं। उनके ध्यान और रूचि की दिशा वर्तमान तथा भविष्य की समस्याओं की ओर होती हैं, जिससे भविष्य में भी उनका जीवन सुखद होता है। जिन व्यक्तियों की शारीरिक रचना दोषपूर्ण होती है, उनमें हीनता मनोग्रंथि, आत्म–निंदा, चिन्ता एवं संघर्ष आदि लक्षण विकसित हो जाते हैं जो

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

कि मानसिक स्वास्थ्य को सही बनाए रखने में व्यवधान पैदा करते हैं। यही बात कामकाजी महिलाओं के संदर्भ में भी सही है।

प्रायः पैसा कमाने वाली महिलाओं के गुणों एवं दोषों की चर्चा का असर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। वैसे सामान्य तौर पर इतना तो निश्चित है कि परस्पर प्रेमपूर्ण संवाद और भावनात्मक समर्थन भी सेहत के लिए दवा का काम करते हैं, जबकि कलह पूर्ण वातावरण तथा कटु अनुभव मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालते हैं। इसी प्रकार व्यक्तिगत कारकों में शारीरिक स्वास्थ्य, आवश्यकताओं की संतुष्टि, आकांक्षा स्तर, अहम शक्ति, संज्ञानात्मक शैली तथा बुद्धि इत्यादि आते हैं, जो व्यक्तिगत तौर पर किसी भी कामकाजी महिला के मानसिक स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करते हैं।

इसके अतिरिक्त कामकाजी महिलाओं को अन्य विभिन्न परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसमें मुख्य रूप से घरेलू वातावरण, माता–पिता तथा बच्चों के साथ संबंध, बच्चों के पालन–पोषण की पद्धति, अनुशासन का स्वरूप, समाजीकरण तथा सामाजिक शिक्षण इत्यादि आते हैं। इन परिस्थितियों पर ही मुख्य रूप से मानसिक स्वास्थ्य निर्भर करता है। कभी–कभी काम काजी महिलाएं काम पर जाने से केवल मानसिक रूप से तनाव मुक्त होती हैं, बल्कि उनकी प्रसन्नता उनके चेहरे की सुन्दरता, प्रफुल्लता को बढ़ाती है। उनहें उत्साही और चिंतनशील बनाती है। घर के बाहर कदम रखते ही वे अपने आपको मानसिक रूप से हल्का, उन्मुक्त और स्वतंत्र अनुभव करने लगती हैं। मानसिक संतुष्टि और प्रसन्नता

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

का यह अहसास उन्हें तनाव मुक्त करता है और विचारों की रंगीनियाँ उनकी कल्पनाओं को नए रंग देने लगती है।

कामकाजी महिलाओं के बारे में डॉ0 सैडीमान के अध्ययन का यह निष्कर्ष है कि काम पर जाने से महिलाएं मानसिक तनावों से मुक्त होती हैं, इसका कुछ आधार भी है। वास्तव में काम पर जाने से उनका अकेलापन दूर होता है और उनमें प्रसन्नता आती है। अपनी इस प्रसन्नता से दूसरों को प्रभावित भी करती हैं। ये दोनों ही परिस्थितियाँ उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। घर में भी लोगों के रहने से उनका अकेलापन दूर तो होता है पर जिम्मेदारियों का भी काफी बोझ होता है। साथ ही ऑफिस या कार्य सिल में अपने बराबर बुद्धि और विचार वालों से मिलती हैं जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा होता है। गृहिणी अथवा अवकाश पर रहने वाली महिलाओं का अधिकतर समय अपनी ही समस्याओं के समाधान में व्यतीत होता है, फिर भी उनकी समस्याएँ हल नहीं हो पाती। घर में रहने वाली महिलाएं एकरसता से प्रभावित होती हैं। टी0 वी0 के सामाजिक कार्य{म भी उनकी समस्याओं को बढ़ाते ही हैं क्योंकि अधिकतर टी0 वी0 कार्यक्रम भी उनकी समस्याओं को बढ़ाते ही हैं क्योंकि अधिकतर टी0 वी0 कार्य{म पहले तो निराशा वादी सोच परोसते हैं। निराशा वादी यह सोच उन्हें चिड़चिड़ा, क्रोधी, शक्की, सनकी और हीन भावनाओं वाली बना देती है। थोड़ा भी प्रतिकूल व्यवहार उन्हें इतना उत्तेजित कर देता है कि वे इसके संभावित प्रभावों को सहन नहीं कर पाती, ऐसी महिलाएँ दूसरों की बातों में भी रूचि नहीं लेती। काम–काज के दौरान काम काजी

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

महिलाओं के कुछ मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। ये उनके मनोभावों, मनोसंवेगों को पूरा करते हैं। सहानुभूति पाने की चाह, सहकर्मी पुरूष अथवा महिला का स्नेह विश्वास और आत्मीय आकर्षण कुछ ऐसी बातें है जो घर के बाहर महिलाएँ चाहती हैं।

प्राक्कल्पनाः–

परिवार सामाजिक जीवन का सर्वोत्तम पाठशाला है। बच्चा परिवार में ही जन्म लेता है और किशोरावस्था के प्रथम चरण तक परिवार में ही जीवन व्यतीत करता है। अतएव विशुद्ध मनोविश्लेषण वादी सिगमंड फ्रायड 1930 की यह मान्यता है कि परिवार ही बच्चों के लिए प्रथम पाठशाला है तथा जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की शिक्षा देने वाले उसके माता–पिता ही प्रथम शिक्षक होते हैं। यही शिक्षा उसके संपूर्ण भावी जीवन की निर्मात्री है। व्यवहार वादी मनोवैज्ञानिक वाटसन 1920 एवं आधुनिक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से सम्पन्न मनोवैज्ञानिक सुलिमान की भी यही मान्यता है कि पारिवारिक अंतर संबंध ही बच्चों की व्यवहार प्रणाली और अंततः व्यक्तिव निर्माण के आधार शिला का निर्माण करते हैं। जिसकी नींव पर भावी व्यक्तिव के वैशिष्ट एवं अभियोजन प्रणाली का निर्माण एवं विकास होता है। वर्तमान संदर्भ में काम काजी महिलाओं को अपने कार्य पारिवारिक दायित्व एवं बच्चों के पालन–पोषण को ध्यान में रखकर अपने समायोजन का निर्धारण करना पड़ता है। इस पृष्ठीभूमि में यह परिकल्पना स्थापित की जाती है कि सभी महिलाओं का समायोजन एकरूपता में नहीं पायी जायेगी।

प्रतिदर्श :–

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रतिदर्श में इस शोध कार्य हेतु अनियमित रूप से मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत शहरी, अर्द्धशहरी एवं ग्रामीण से जुड़ा हुआ होगा। इसमें प्रतिदर्श में चार सौ काम काजी महिलाओं और एक सौ गृहिणी महिलाओं का इस अध्ययन हेतु चुनाव किया गया। जिसकी उम्र सीमा लगभग पच्चीस से पचपन वर्ष के बीच रखा गया हैं, इसके आधार पर मध्यमान 36.9 पाया गया है। इन काम काजी महिलाओं से कुछ शिक्षित – अशिक्षित, शहरी–ग्रामीण, उच्च एवं मध्य और निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर तथा कुछ गृहिणी को भी सम्मिलित किया गया है जिसका विवरण क्रमशः नीचे तालिकाओं में वर्णित है।

परिणाम :–

पारिवारिक पर्यवेक्षण के आधार पर कामकाजी महिलाओं के समायोजन को देखा जा सकता है। हर महिला अपने परिवार एवं बच्चों के साथ पारिवारिक पृष्ठीभूमि में रहते हुए अपने कार्यों का संपादन करती है। परिवार में सदस्यों के साथ जिस तरह का संबंध बनता है, उसका प्रभाव कामकाजी महिलाओं के समायोजन पर निश्चित रूप से देखा जाता है। पारिवारिक पर्यवेक्षण का प्रभाव महिलाओं के समायोजन को चारों क्षेत्रों पारिवारिक, स्वास्थ्य, सामाजिक एवं संवेगात्मक तथा संपूर्ण समायोजन के अंतर को टी0 अनुपात द्वारा देखा गया है। कामकाजी महिलाओं का उनके बच्चों के विकास पर कैसा प्रभाव पड़ता है यह भी इस अध्ययन के अंतर्गत देखने का प्रयास किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

पारिवारिक पर्यवेक्षण और पारिवारिक समायोजन प्राप्तांकों के मध्यमानों का अन्तर।

सारणी संख्या–एक

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रा0 वि0	टी0 अनुपात	डी0 एफ0	सार्थकता स्तर
पा0 प0 उच्च समूह	125	9.2	8.6			
पा0 प0 निम्न समूह	105	12.7	10.5	2.65	228	0.01

तालिका संख्या एक से यह स्पष्ट होता है कि कामकाजी महिलाओं के पारिवारिक समायोजन का संबंध पारिवारिक पर्यवेक्षण से है। पारिवारिक पर्यवेक्षण से परिवार के सदस्यों के साथ बच्चों के साथ स्पष्ट रूप से देखा जाता है। यहाँ भी सभी महिलाएं एक समान नहीं पायी जाती हैं। पारिवारिक परिस्थितियों में कुछ कामकाजी महिलाओं का समायोजन उच्च कोटि का होता है और कुछ कामकाजी महिलाओं का निम्न स्तर का हो जाता है। यहाँ उच्च समूह के महिलाओं का मध्यमान 9.2 पाया गया है और प्रामाणिक विचलन 8.6 पाया गया है जबकि निम्न समूह के कामकाजी महिलाओं का मध्यमान 12.7 तथा प्रामाणिक विचलन 10.5 पाया गया है दोनों ही समूहों का तुलनात्मक विश्लेषण टी0 अनुपात के आधार पर किया गया और टी0 अनुपात 2.05 पाया गया जो 0.01 स्तर पर सार्थक अंतर स्पष्ट करता है। पारिवारिक पर्यवेक्षण एवं बच्चों के साथ समायोजन में स्पष्ट संबंध प्राप्त होता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारणी संख्या – दो

परिवारिक पर्यवेक्षण और कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य समायोजन के प्राप्तांकों के मध्यमान का अंतर।

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रा0 वि0	टी0 अनुपात	डी0 एफ0	सार्थकता स्तर
पा0 प0 उच्च समूह	125	7.9	8.5			
पा0 प0 निम्न समूह	105	11.9	9.6	3.07	228	0.01

तालिका–दो से यह स्पष्ट होता है कि कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य समायोजन में पारिवारिक पर्यवेक्षण या पारिवारिक अभियोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पारिवारिक पर्यवेक्षण के आधार पर जो दो समूहों का निर्धारतण हुआ जिसमें एक उच्च समूह और दूसरा निम्न समूह माना गया। दोनों ही समूहों के द्वारा प्राप्त प्रदत्तों के आधार पर सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य समायोजन को मापने से प्राप्तांको का मध्यमान 7.9 तथ प्रामाणिक विचलन 8.5 पाया गया लै जबकि निम्न समूह के अंतर्गत स्वास्थ्य समायोजन को मापने से प्राप्तांको का मध्यमान 11.9 तथ प्रामाणिक विचलन 9.6 पाया गया है दोनों ही समूहों के आधार पर प्राप्त टी0 अनुपात 3.07 पाया गया है, जो 228 डी0 एफ0 के लिए 0.01 स्तर पर सार्थक अंतर को सत्यापित करता है साथ ही पारिवारिक पर्यवेक्षण और स्वास्थ्य दोनों के बीच संबध का समायोजन पर अच्छा प्रभाव पाया गया है। यह समायोजन

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

परिवार में बच्चों के साथ संबंध को भी स्पष्ट रूप से दर्शाता है। चूंकि बहुसंख्यक कामकाजी महिलाएं अपने परिवार और बच्चों से जुड़ी रहती हैं। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है।

सरणी संख्या –तीन

परिवारिक पर्यवेक्षण और कामकाजी महिलाओं का समाजिक समायोजन के प्राप्तांकों के मध्यमानों का अंतर।

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रा0 वि0	टी0 अनुपात	डी0 एफ0	सार्थकता स्तर
पा0 प0 उच्च समूह	125	7.2	8.5			
पा0 प0 निम्न समूह	105	10.9	9.6	2.90	228	0.01

तलिका–तीन से यह स्पष्ट होता है कि कामकाजी महिलाओं का सामाजिक समायोजन में पारिवारिक पर्यवेक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका पाया जाती है। पारिवारिक पर्यवेक्षण और कामकाजी महिलाओं का सामाजिक समायोजन को मापने से प्राप्ताकंको का मध्यमान 7.2 पाया गया है तथा प्रामाणिक विचलन 8.5 पाया गया है जबकि निम्न समूह के महिलाओं का सामाजिक समायोजन प्राप्तांकों का मध्यमान 10.9 तथा प्रामाणिक विचलन 9.7 पाया गया है। इन दोनों ही समूहों के आधार पर प्राप्त टी0 अनुपात 2.90 पाया गया है जो 0. 01 स्तर पर सार्थक अंतर को दर्शाता है। प्राप्त परिणाम से यह स्पष्ट होता है कि उच्च समूह की कामकाजी महिलाओं का परिवार

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

एवं बच्चों के साथ बहुत ही अधिका अनुकूल समायोजन पाया जाता है।

सारणी संख्या–चार

परिवारिक पर्यवेक्षण और कामकाजी महिलाओं का संवेगात्मक समायोजन प्राप्तांकों के मध्यमानों का अंतर।

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रा0 वि0	टी0 अनुपात	डी0 एफ0	सार्थकता स्तर
पा0 प0 उच्च समूह	125	8.7	6.5			
पा0 प0 निम्न समूह	105	13.6	7.4	5.00	228	0.01

सारणी संख्या–चार से यह स्पष्ट होता है कि कामकाजी महिलाओं के संवेगात्मक समायोजन में पारिवारिक पर्यवेक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पारिवारिक पर्यवेक्षण का महिलाओं के संवेगात्मक विकास के साथ गहरा संबंध पाया गया है। कामकाजी महिलाओं के संवेगात्मक समायोजन प्राप्तांकों को मापने से प्राप्तांकों का मध्यमान 8.7 तथा प्रमाणिक विचलन 6.5 पाया गया है, जबकि निम्न समूह के अंतर्गत पाये जाने वाले कामकाजी महिलाओं का संवेगात्मक समायोजन को मापने से प्राप्तांकों का मध्यमान 13.6 तथा प्रमाणिक विचलन 7.4 पाया गया है। दोनों ही समूहों के आधार पर प्राप्त टी0 अनुपात 5.00 पाया गया है जो 228 डी0 एफ0 के लिए 0.01 स्तर पर सार्थक अंतर ही प्रदर्शित करता है। इस पारिवारिक पर्यवेक्षण के अंतर्गत परिवार के सदस्यों के साथ ही बच्चों के साथ भी सार्थक समायोजन प्रदर्शित होता है। साथ ही दोनों ही समूहों के महिलाओं के बीच अंतर भी स्पष्ट होता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 9, Issue 5 (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारणी संख्या–पाँच

परिवारिक पर्यवेक्षण और कामकाजी महिलाओं का संपूर्ण समायोजन के प्राप्तांको के मध्यमानों का अंतर।

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रा0 वि0	टी0 अनुपात	डी0 एफ0	सार्थकता स्तर
पा0 प0 उच्च समूह	125	32.60	12.6			
पा0 प0 निम्न समूह	105	48.60	13.05	8.69	228	0.01

सारणी संख्या–पाँच से यह स्पष्ट होता है कि संपूर्ण समायोजन में पारिवारिक पर्यवेक्षण कामकाजी महिलाओं का समायोजन उच्च एवं निम्न समूहों के आधार पर देखा गया है। पारिवारिक पर्यवेक्षण तथा कामकाजी महिलाओं के संपूर्ण समायोजन को मापने से प्राप्तांकों का मध्यमान 32.60 तथा प्रामाणिक विचलन 12.6 पाया गया है जबकि निम्न समूह के अंतर्गत आने वाली कामकाजी महिलाओं के संपूर्ण समायोजन को मापने से प्राप्तांको का मध्यमान 48.60 तथा प्रामाणिक विचलन 13.5 पाया गया है। इन दोनों ही समूहों के आधार पर प्राप्त टी0 अनुपात 8.69 पाया गया है, जो 0.01 स्तर पर सार्थक अंतर को प्रदर्शित करता है। कामकाजी महिलाओं के दोनों ही समूहों उच्च एवं निम्न के आधार पर पारिवारिक सदस्यों के साथ एवं बच्चों के साथ समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का इस अध्ययन से स्पष्ट अंतर प्रदर्शित होता है।

References :-

Brown, 1940. - Psycho - dynamics of Abnormal Behaviour.

Campbell Karlyank, 1973. - (U/New York Binghamton) The Rhetoric of Women's Liberation an Oxymoron, Quarterly Journal of speech (Feb.) Vol. 59 (1) 74-76.

Cattel, R.B. & Eber, H. W. 1962. - Manual for Sixteen personality factor questionnaire, institute for personality a ability testing Champaign illioris.

Choubey Maheshwar, 2000. – Mano Samajik Sandorbha Main Nari Mukti, L.N. Mithila University thesis.

Edwards A.L. 1968. - Experimental Design in Psychological Research 3rd Edn. New York, Holt Rinehart And Winston Inc. (Indian edition).

Garrett, H.E. 1955. - Satisfaction in Psychology and Education (Fourth Edition) Longman, Green and Co. New York.

Gough, H.G. 1964. - Manual of California Psychological Review, California Consulting Psychologist Press. Palo Alto.

Gupta Dr. Gagdish 1970. - Swachhandatawadi Kabydharaka Darshanik Bihechan, Pragati Prakashan, Agra, First Edition, PP 136-153.

Hatt. P.K. 1940. - Social Attitude and Anti-Semitism. Unpublished Master's thesis, University of Washington.

Horton Margaret, M, 1974. - (Linden Wood College) Liberated women Liberated Children in G.J. Williams & S. Gordon (eds.) Clinical Child Psychology, Current Practices and Future Perspectives. New York, Behavioral Publication XIV, 545.

Kabir, H. 1958. - Student Unrest : Causes and Ecore, P – 10; Calcutta Orient Book Company.